माधव राष्ट्रीय उद्यान

स्रोत: द हिंदू

मध्य प्रदेश (MP) के **चंबल क्षेत्र** में स्थित **माधव राष्ट्रीय उद्यान को भारत का 58वाँ बाघ अभयारण्य** (MP का 9वाँ बाघ अभयारण्य) घोषित किया गया है। वर्तमान में इस अभयारण्य में 5 बाघ हैं।

माधव राष्ट्रीय उद्यान

- **शिवपुरी ज़िले** में स्थित यह राष्ट्रीय उद्यान **ऊपरी विंध्य पहाड़ियों** का हिस्सा है और ऐतिहासिक रूप से मुगल सम्राटों व **ग्वालियर के महाराजाओं** का शिकार क्षेत्र रहा है।
- इसे वर्ष **1959 में राष्ट्रीय उद्यान** घोषित किया गया था।
- इस उद्यान में **झीलें, शुष्क पर्णपाती व काँटेदार वन** सहित समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र है, जहाँ बाघ, तेंदुआ, नीलगाय, चिंकारा, चौसिंगा और विभिन्न प्रकार के हिरण पाए जाते हैं।
- यह भारत के **32 प्रमुख बाघ कॉरिडोर** में शामिल है, इसे **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972** के तहत **बाघ संरक्षण योजना** के माध्यम से संचालित किया जाता है।
- **वर्ष 2022 तक भारत में बाघों की अनुमानित संख्या 3167 से 3925 के बीच थी** , जो **वार्षिक 6.1% की दर से बढ़ रही है** , वर्त्तमान में भारत विश्व के **75% बाघों का निवास स्थल** है।

//

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (*Panthera Tigris*) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

* महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
* सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना

देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- **IUCN** रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- **CITES :** परिशिष्ट-I
- **WPA 1972 :** अनुसूची-I

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
  - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
  - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिज़र्व हैं
  - नवीनतम टाइगर रिज़र्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
  - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

दृष्टि The Vision | d Drishti IAS

और पढ़ें... [प्रोजेक्ट टाइगर]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/madhav-national-park-2